गीडा में फैक्ट्रियां लगने लगीं तो युवाओं की होने लगी घर वापसी

जैतपुर, हिन्दुस्तान संवाद। गीडा में बड़े उद्योगों की स्थापना का असर युवाओं के पलायन पर साफ दिख रहा है। गीडा के आसपास के गांवों में रहने वाले युवाओं को रोजगार मिल रहा है। जिससे पलायन पर अंकुश लगा ही, युवाओं को घर वापसी भी हो रही है।

गीडा क्षेत्र के नगवां, जैतपुर, खानिमपुर, तेनुआ, छपिया, बड़गहन, नेवास, साथीपार, पिपरौली, बरहुआ, बरवार, हरैया सहित दर्जनों गांवों के सैकड़ों युवा जो पहले दूसरे प्रदेशों में रोजगार कर रहे थे, वह सभी अब अपने अगल-बगल ही रोजगार कर रहे हैं। वर्तमान में गीडा में आईटी पार्क, प्लास्टिक पार्क, वरुण बेवरेज और गारमेंट पार्क जैसे बड़ी फैक्ट्रियां संचालित हो रही हैं, जो हजारों युवाओं को रोजगार का अवसर प्रदान कर रही हैं। खजनी के बढ़नी निवासी रणधीर सिंह ने बताया कि बेंगलुरु में काम करता था। साल में एक से दो बार घर आना होता था। सेक्टर 27 में बड़ी फैक्ट्री में नौकरी लग गई है। शाम को परिवार के साथ समय गुजारने का सुख मिल रहा है। खानिमपुर के रानू बताते हैं कि गीडा के आसपास के 25 से अधिक गांव के युवाओं को रोजगार मिला है। प्रत्येक गांव में 20 से 50 युवाओं और महिलाओं को रोजगार मिला है।

बोले युवा

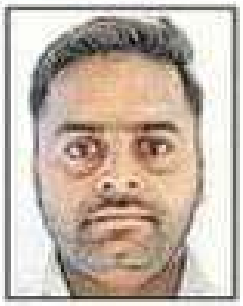

राजस्थान में नौकरी करता था। दो वर्ष पहले छुट्टी में घर आया था। फैक्ट्री में काम देखने गया तो काम पसंद आया। अब यही घर से एक किमी दूर ही रोजगार का अवसर मिल गया है।
– अच्युतानंद पाल, खानिमपुर

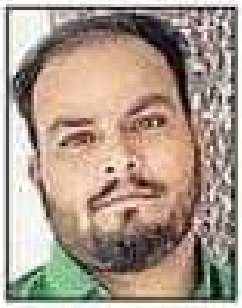

रोहतक में काम करता था। वहीं से गीडा फर्नीचर कंपनी में आवेदन किया। रोजगार मिल गया। फैक्ट्री घर से मात्र 3 किमी पर है। अब अपने परिवार को देखने के साथ ही खेती बारी और रिश्तेदारों को भी देख लेता हूं।
– प्रशांत, मल्हीपुर